INDIA NON JUDICIAL

५000रु. | Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

नाम व पता = श्री नन्द किशोर प्रसाद सिंह
विक्रेता का = पिताजी का नाम स्वर्गीय पर-
मेश्वर प्रसाद सिंह जाति
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] रोड, [illegible]
[illegible] बिक्रेता [illegible]
[illegible]

20 Rs.

बीस रुपये

भारत

INDIA

२० रु.

20 RS

TWENTY RUPEES

2)

2 नाम बेचने वाला :- श्री राजदीप सिंह पिता जी कालाम

खरीदार का : = श्री स्वर्गीय मथुरा सिंह जाति भूमि
हार: पुत्र तरा साo वो पीo सुदना
थाना डालटेनगंज जिला पलामू
पेशा नौकरी पोस्ट ऑफिस = खरीदार।

3 किस्म करीका : - के वाला बैला मल्कामी। =

4, 1 तादाद और रकम : = मोय लिजा - 42000/ बयालीस हजार रु०।
बाजार मूल्य = 42000/ बयालीस हजार रु०।

(5) तसरीह जायदाद विक्रय रजिस्ट्री का :=) मवाजि डि० = ·1 एकड़ 29½ डिसमिल
यानी उनतीस साढ़े डिसमील यो खतियानी जमाबन्दी
उ० जमीन करी हस्य तफसील
पी तसरीह चौहद्दी दर्ज आराजी
वाके मौजा सुदना बाबत अलग
आ जिला पलामू हमीयत बकदर
पंद्री दरबाजी और काबीजी विक्रेता

20 Rs.

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

२० रु. TWENTY RUPEES 20 Rs.

(३)

विक्रेता मजकूर की है जिस पर विक्रेता कब्जा व
मालिक दाखिल चले आते हैं और है वो मालगुजारी
सरकार को अदा करते हैं और कागजात में दाखिल
खारिज होकर दर्ज आते हैं। विक्रेता मजकूर
विक्रय शुदा को अपने कमाई से खरीद
किये हैं जिसका केवाला नं० २२९५ ता० १२-६-५९ है
जो [illegible] [illegible] [illegible] से खरीदे हैं
वो [illegible] ता० २-२-७५ में [illegible] हुआ है
[illegible] और [illegible] की [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] = [illegible] [illegible] [illegible] सहित हक
खरीददार के हाथ का [illegible] के विक्री करते हैं जिसका
ब्योरा इस प्रकार है जो कागजात में [illegible] है।

खरीद विक्रय सम्पत्ति का।

मौजा [illegible] थाना [illegible] [illegible] [illegible] १ [illegible]
[illegible] ५२ [illegible] नं० १ [illegible] बिहार।
खाता नं० ८५ [illegible] नं० ४३२ =
[illegible] [illegible] नं० ५४७ = [illegible] [illegible]

[illegible]

१२२३ [illegible] की [illegible] विक्रेता की खरीदगी डी० ०-५-३ | में विक्री [illegible] डी० ०-१ [illegible] [illegible]

[illegible]

[illegible] [illegible] 1-12-[illegible]

[illegible] [illegible] [illegible]

9-12-[illegible]

(४)

चौहद्दी: विक्रय भूमि का मौजूदा

उत्तर:- मैं श्री मति कमलादेवी जो आपकी दूसरे कबाला के जरिये विक्रेता से ही खरीद कर रही हूँ।

दक्षिण = श्री प्रमोद कुमार ओझा पिता का नाम सीताराम ओझा।

पूरब:- श्री मति प्रतिमा देवी जो आपकी दूसरे कबाला के जरिये विक्रेता से ही खरीद कर रही हैं।

पश्चिम: पक्की सडक जो रामपुर … से पटना की ओर जाती है।

मालगुजारी सालाना १ रु ५० पैसा।

मालिक रकैयत बिहार सरकार अंचल … जमा करता हूँ।

(१) यह कि विक्रेता ने विक्रय भूमि को मकान बनाने के लिए [illegible] खरीद कर उस पर मालिक दखिल रह कर पार्ट … में … किया है।

(२) यह कि विक्रेता विक्रय भूमि के ऊपर किसी तरह का कर्जा वो बन्धक नहीं किया हूँ मेरी हकियत … वो साफ है।

चूँकि विक्रेता बतौर … जिलाधिकारी में सरकारी नौकरी करते हैं जो अब रिटायर्ड हो चुके हैं वो विक्रेता का० पास में …

मकान बनाकर उसी मकान के पास में ही रह रहे हैं
जो विक्रय भूमि पास से सटा हुआ पड़ता है
उस जमीन से मेरी सम्पत्ति की जायदाद रास्ता
नं० ५ की बिक्री करके उस के अगले मकान के
दा० से पश्चिम पास में ही जायदाद हमेशा की
जो मकान बना लिये।

(४) यह कि विक्रेता अपना हर तरह का फायदा नुकसान
देख विक्रय भूमि के बिक्री का ऐलान किया तो
खरीदार वसीका हुआ उनके सहोदर नसरत
की यह जमीन है। इस लिये खरीदार मजबूर
होकर इस विक्रय भूमि को खरीद कर लिये हैं
जो वाजिब कीमत मो० ४२०००) बयालिस
हजार रु० देके पर खरीद हो गयी जो सही वो
वाजिब कीमत है।

(५) यह कि इस वक्त हालात सदर विक्रेता वहैसियत
जोत व लगान अमीन की रूह उस्ताद होने की
वजह से किसी प्रकार मोहताज को विक्रय
भूमि जाँच जो खाता नं ५ वसीका हुआ को
मो० ४२०००) बयालिस हजार रु० नगद
में बदस्त खरीदार वसीका हुआ जिनका
नाम व पता मिसमात बेला कलामी हसन के
खेवट नं० २ में दर्ज है, बेचा व बैनाकलामी
किया व विक्रय सम्पत्ति पर खरीदार मजकूर को
व जरिया कब्जा व दाखिल खारिज करा दिया
जो आइन्दा हक हमीयत विक्रेता को विक्रय भूमि में
बाकी रहा तो होगा वह सब आज की तारीख से खरीदार
को हासिल होगा।

अनुवादक/प्रमाणित (हि०)
1-12-95

(६)

(६) यह कि अब यदि किसी कि खरीददार विक्रय भूमि पर कब्जा व कार्य को दाखिल खुद में परीसाथ = जिस तरह से चाहें कायदे मसरूफ में लाकर जैसे फायदा उठाते रहें और नाम कागजों में व दाखिल खारिज राजस्व रिकार्ड में करालेवें। इस में विक्रेता व विक्रेता के वारिसान को कुछ भी उजर नहीं होगा यदि होगा तो नाजायज होगा।

(७) यह कि यह वसीका बैनामा मुबलिग [illegible] मौजूदा कीमत [illegible] में [illegible] व [illegible] कब्जा [illegible] व खरीददार का [illegible] गया। व विक्रय भूमि का कुल [illegible] से मो० ४२००० अक्षरे बयालिस हजार रु० में से मो० ४५००० पैंतालिस हजार रु० खरीददार [illegible] में भारतीय बैंक ड्राफ्ट नं० [illegible] ता० [illegible] पर विक्रेता S.B.I. A.D.B. [illegible] से वसूल पाया व शेष मो० ३००० रु० में [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] खरीददार [illegible] [illegible] कुल जरे समन दाम में [illegible] वसूल [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] व [illegible] रहेगा। इसलिये मैं [illegible] [illegible] यह वसीका बैनामा [illegible] [illegible] खरीददार [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] मो० [illegible] [illegible]

११४३ [illegible] (५०००) ५०८०-११३७ ✓ 5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०००रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

1/233

36

निबन्धन [illegible] [illegible]
[illegible] १९०८ [illegible]
[illegible] १८९९ [illegible]
[illegible]

तारीख ७/१२ निबन्धन [illegible]

५ ९७२०-०
[illegible] ५४-०
[illegible]
९/१२/७२

१

नाम वो पुरा पता विक्रेता का: ① श्री नन्दकिशोर [illegible] सिंह पिता जी का नाम [illegible] सिंह।

② श्री शान्ति कुमारी [illegible] पति का नाम श्री नन्दकिशोर [illegible] विक्रेता नं १

सही नन्दकिशोर प्रसाद सिंह [illegible] 48,000/
[illegible]
[illegible]
[illegible] 7-12-72

सही कृष्णा सिंह ने मौजा सुरहा की जमीन का इनमालन केवाला लिखा मजमून पढ़कर कबूल किया सही है ता० 7-12-72

20 Rs.

बीस रुपये

भारत

INDIA

२० रु.   20 RS

TWENTY RUPEES

(2)

[illegible] जिला पलामू थाना

[illegible] मौजा [illegible]

[illegible] जिला [illegible]

[illegible]

[illegible]

2
नाम पता खरीददार का : श्री मति [illegible] देवी पति का नाम श्री राजदीप सिंह [illegible] [illegible] जिला पलामू [illegible] खरीददार [illegible]

3
किस्म वसीका : केवाला बैनामा [illegible]। ==

4
तादाद और रकम : मोबलिग – 42000 बयालिस हजार रुपैया।

बाजार मूल्य – 42000 बयालिस हजार रुपैया।

5
तफसील विक्रय = [illegible]
[illegible] = [illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

20 Rs.

बीस रुपये

भारत

INDIA

२० रु. TWENTY RUPEES 20 Rs.

(3)

की है [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] के [illegible] दाखिल [illegible] करते हैं
[illegible] [illegible] [illegible]
करते हैं [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] सहित =
[illegible] [illegible] मौजा सुदना [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] है।

तफसील विक्रय सम्पत्ति का =

मौजा सुदना – [illegible] [illegible]
नं० [illegible] [illegible] [illegible] – [illegible]
[illegible] खाता नं० ६५ [illegible] २० [illegible]

खाता नं० प्लौट नं०
=६५= १२२३ बारह सौ तेईस
=२० १२२२ बारह सौ बाईस

विक्रेय रकबा
[illegible] डी०
०.२० [illegible] डीo

[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]

चौहद्दी विक्रय सम्पत्ति का -

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] 7-12-[illegible]
[illegible]
7-12-[illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
7-12-[illegible]

(४)

उत्तर:- विक्रेता की जमीन।
दक्षिण:- प्रमोद कुमार गुप्ता, ठिकेदार ग्राम पो० - मधुसूदन नयागढ़ा पाकुड़।
पूरब:- नीज विक्रेता।
पश्चिम:- मोहम्मद अनीफ शेख वो कमलादेवी - जो दूसरे कोबाला से बाजत ही विक्रेता से खरीद कर रहे हैं।
मौजा/ग्राम/टीहालान = (2) डी।

स्टेट व पहर का
१. खाता वं० नं० ४३२ = } अदिहोर नं० [illegible] रकबा [illegible]
२ - " " " ११२० - अदिहोर नं० ११२८ रकबा [illegible]
३ = " " " ६५० " " ११५४१ = [illegible]

(१) यह कि हम लोग विक्रेता की मालिकाना जायदाद विक्रय सम्पत्ति को बाजरीये तीन कोबाला के जरीये खरीद कर उस पर काबिज दखल है,
(१) ता० १२-७-६५-ई० नं० ३३१५ रजिस्ट्री कोलकाता [illegible] से जो ता० २-२-६५ को रजिस्ट्री हुआ।
(२) कोबाला ता० १२-६-७७-ई० नं० ४२२१ = रजिस्ट्री कोलकाता [illegible] से जो ता० २१-७-१९७७ को रजिस्ट्री हुआ है
(३) कोबाला ता० २२-१२-१९८४ = रजिस्ट्री कोलकाता [illegible] से खरीद किये हैं जो ता० २०-१-१९८३ को रजिस्ट्री हुआ है
जिसका कोबाला नं० ६९०३ = है
(२) यह कि विक्रय सम्पत्ति पर हम लोगों किसी तरह का बखेड़ा नहीं [illegible] है विक्रेता की [illegible] हैं।

(३) यह कि वादी खरीददार ने जमीन मकबूजा की दखलका लेने के बाद से कब्जा हटाकर मुश्किल बाते बनाते मकान की कोशिश की [illegible] जमीन पड़ी रही।

(४) यह कि चूंकि हम लोग अपना मकान बनाने के लिये विक्रय भूखण्ड को खरीदा था लेकिन अब तक भी मकान नहीं बना सके क्योंकि सिर्फ नौकरी [illegible] अपना मकान बनाने पास [illegible] नौकरी से बचा कर रख लेते थे। जो अब विक्रेता नं० १ नौकरी से रिटायर हो चुकी है जो मकान पास में बनाये थे वह अधूरा रह गया है जो जल्द से पूरा करना जरूरी है व विक्रय सम्पत्ति में हम लोग अब मकान बनाना नहीं चाहते हैं क्योंकि यह जमीन [illegible] पास से दूर पड़ जाता है इस लिये हम लोग ने तय किया कि विक्रय सम्पत्ति को बिक्री करके इसके जरिये से रुपये ले कर पास में ही मकान बनावेंगे जो जो मकान बना [illegible] जल्द से पूरा करना है। इस लिये हम लोग विक्रेता [illegible] अपने अपना हर तरह का फायदा [illegible] का विक्रय भूखण्ड की बिक्री का ऐलान किया। जो खरीददार [illegible] में यह जमीन है जो खरीददार को मकान बनाने के लिये जमीन विक्रय भूखण्ड को खरीद करना जरूरी है इस लिये खरीददार

७३।।२(७४)।।८१(१०)
१-१२-८४
ह० अपठनीय
१-१२-८४

(६)

बिक्रयनामा मो० खरीददार [illegible] व
कीमत मो० ४२०००) बयालीस हजार रुपये
देने की करार ठीक होगा और न सही के बाजार कीमत
है व [illegible] कीमत [illegible] - [illegible]
की [illegible] नही हूँ।

(५) यह कि [illegible] - [illegible] विक्रेता [illegible]
[illegible] होने से
[illegible] बोला [illegible] बोला
[illegible]
[illegible]
कीमत [illegible] बिक्रयनामा में [illegible]
है व [illegible] होता व और [illegible]
[illegible] व [illegible] वाला
[illegible]
[illegible] बोला [illegible] बोला [illegible]
के [illegible] की मो० ४२०००) बयालीस
हजार रु० [illegible] में [illegible] खरीददार [illegible]
[illegible]
[illegible] के [illegible] नं० २ में [illegible]
[illegible] किया व बिक्रयनामा पर [illegible]
[illegible] खरीददार को [illegible]
[illegible]
[illegible] बिक्रय [illegible]
[illegible] को [illegible] है और [illegible]
होता व [illegible] खरीददार [illegible]
[illegible]

१३ जून १९८८ (?)
१-७८-८४
[illegible]
१-१२-८६

(5) यह कि अब आइंदा कि खरीदार मज़कूर [illegible] के वारिसान हैसियत व [illegible] विक्रय सम्पत्ति पर [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] रहे है। वो खरीददार [illegible] में विक्रय [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] में दाखिल खारिज करे [illegible] में [illegible] में [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] रहें। इस में अब विक्रेता को [illegible]।

(6) यह [illegible] होगा। अगर [illegible] विक्रेता को विक्रेता के वारिसान [illegible] तो [illegible] [illegible] [illegible] होगा [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] होगा।

(7) यह कि यह [illegible] [illegible] [illegible] होगा [illegible] [illegible] [illegible] में [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] होगा। विक्रय [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]